हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी

हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी,
पाई अमर निशानी ।
गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी
हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी

काग पलट गुरु हंसा किन्हे,
दीन्हि नाम निशानी ।
हंसा पहुंचे सुख-सागर पर,
मुक्ति भरे जहाँ पानी ॥
गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी,
हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी ॥

जल विच कुम्भ,कुम्भ विच जल है,
बाहर भीतर पानी ।
विकस्यो कुम्भ जल जल ही समाना,
यह गति विरले ने जानी ॥
गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी,
हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी ॥

है अथाह थाह संतन में,
दरिया लहर समानी ।
धीवर डाल जाल का करिहै,
जब नीम पिघल भए पानी ॥
गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी,
हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी ॥

अन्धो का ज्ञान, उजल तकि वाणी ,
सोहे अकछ कहानी ।
कहे कबीर गूंगे की सेना,जिन जानी उन मानी ॥
गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी,
हमारे गुरु मिले ब्रम्हज्ञानी ॥

रचयिता - कबीर दास

स्वर : हरी ॐ शरण

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1181/title/humare-guru-mile-bramhagyani-gurudev-Kabir-das-bhajan-with-hindi-lyrics-by-Hari-Om-Sharan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |